

ख़बर संक्षेप

नर्सरी में विभिन्न प्रजाति के पौधों की संख्या में करें वृद्धि: कलेक्टर



शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जनपद पंचायत गोहपारू के खन्नीधी में संचालित नर्सरी का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान हॉर्टिकल्चर के अधिकारी को निर्देश दिए की नर्सरी में आम, नींबू, कटहल सहित अन्य प्रजाति के पौधों की संख्या में वृद्धि करें तथा पौधों का विक्रय पंचायत के माध्यम से सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि नर्सरी में तैयार पौधे का विक्रय आसपास के ग्राम पंचायत में करें। कलेक्टर ने कहा कि नर्सरी में उगी घास और खरपतवार की साफ सफाई करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को बताया गया कि वर्तमान समय में आम के 1500 पौधे, नींबू, कटहल के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय रिक्त भूमि में सब्जियों का उत्पादन कर विद्यालयों में भिजवाए: कलेक्टर



शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत खन्नीधी में ओम स्व सहायता समूह द्वारा संचालित किए जा रहे कंचन बायो जैविक खाद एवं गौशाला का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान स्व सहायता समूह की महिलाओं को निर्देश दिए कि गौशाला के आसपास रिक्त पड़ी भूमि में सब्जियों का उत्पादन कर मध्याह्न भोजन के लिए आसपास के विद्यालयों में भिजवाए। उन्होंने कहा कि गोबर से गौ काष्ठ, दिवे, अगरबत्ती जैसे अन्य उत्पाद तैयार कर उन्हें स्थानीय बाजारों में विक्रय कर अपनी आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि गौशाला में पशुओं के लिए पेवर ब्लॉक लगावए।

कलेक्टर ने बायो जैविक खाद संयंत्र का निरीक्षण करते हुए तैयार की जा रही जैविक खाद के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिस पर बताया गया कि बायो जैविक खाद संयंत्र का संचालन स्व सहायता समूह की 12 महिलाओं द्वारा किया जा रहा है एवं प्रत्येक माह 12 से 15 हजार रुपए की आय अर्जित होती है। **24 घंटे में दो बंद मकानों और दुकानों के टूटे ताले, लाखों का माल पार** **शहडोल।** कस्बा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बेखोफ चोरों ने पुलिसिया गश्त की पोल खोलकर रख दी है। पिछले 24 घंटों के भीतर बेखोफ बदमाशों ने चोरी की दो बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर इलाके में दहशत फैला दी है। अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान और सोने-चांदी की दुकान को निशाना बनाते हुए करीब 5 लाख रुपये से अधिक के माल पर हाथ साफ कर दिया। लगातार रहे हो इन घटनाओं से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में भारी जनाक्रोश है। पहली सनसनीखेज वारदात जिले की जयसिंहनगर के वाई क्रमांक 11 में घटित हुई। मकान मालिक रावेंद्र सिंह का परिवार किसी निजी काम से बाहर गया हुआ था। घर को सूना पाकर चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला चटकाया और अंदर दाखिल हो गए। बदमाशों ने अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर उसमें रखे लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरोंत और नकदी समेट ली। सुबह जब पड़ोसियों ने दरवाजा खुला देखा तो गुह्रस्वामी को सुचना दी। घर पहुंचे परिजनों ने जब बिखरा हुआ सामान देखा तो उनके होश उड़ गए। चोरी की दूसरी वारदात अमझौर बस स्टैंड स्थित एक आभूषण दुकान में हुई। शातिर बदमाशों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दुकान के दरार और तालों को निशाना बनाया।

मोजन से लेकर सुरक्षा तक 18 बिंदुओं पर जवाबदेही तय कंचनपुर की छात्राओं के कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद छात्रावासों पर सख्ती

अधीक्षकों को मुख्यालय में रहना होगा

शहडोल। जिले के कंचनपुर स्थित माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर में छात्राओं द्वारा छात्रावास की व्यवस्थाओं को लेकर सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिकायत किए जाने के बाद अब छात्रावास व्यवस्था को लेकर विभागीय स्तर पर सख्ती दिखाई दे रही है। संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास, शहडोल संभाग द्वारा 21 अगस्त 2026 को जारी पत्र क्रमांक 976 में शहडोल, उमरिया और अनुपपुर जिलों के अगस्त 2026 तक अधीक्षकों से मुख्यालय अथवा छात्रावास में निवास करना होगा तथा रात्रि विश्राम 976 में शहडोल, उमरिया और अनुपपुर जिलों के अगस्त 2026 तक अधीक्षकों से मुख्यालय अथवा छात्रावास में निवास संबंधी प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि छात्रावास की व्यवस्था केवल कागजी निगरानी से नहीं चलेगी। अधीक्षक की वास्तविक मौजूदगी और विद्यार्थियों के बीच उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक होगा।

कंचनपुर की घटना ने फिर उठाए सवाल

दरअसल, बीते दिनों कंचनपुर स्थित माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर की 28 छात्राएं छात्रावास से निकलकर पैदल कलेक्ट्रेट पहुंची थीं। बारिश के बीच छात्राओं ने लगभग 11 किलोमीटर की दूरी तय कर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याएं बताईं। छात्राओं ने भोजन में कीड़े मिलने, नाश्ता ठीक नहीं मिलने सहित छात्रावास की अन्य व्यवस्थाओं को लेकर शिकायत की। रिपोर्ट के अनुसार, कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने छात्राओं से एक-एक कर चर्चा की और उनकी शिकायतें लिखित में लेने के बाद एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी अतुल चौधरी और तहसीलदार को शामिल करते हुए तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया तथा तीन दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा को छात्राओं के कलेक्ट्रेट की ओर पैदल निकलने की जानकारी मिली तो उन्होंने रास्ते में ही छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनने का प्रयास किया, लेकिन छात्राएं कलेक्टर से ही अपनी बात रखने पर अड़ी रहीं। प्रशासन ने छात्राओं की सुरक्षा के लिए रास्ते में पुलिस इव्यूटी भी लगाई और कलेक्टर से मुलाकात के बाद उन्हें बस से वापस छात्रावास पहुंचाया गया। मामले को लेकर मानवाधिकार आयोग में भी शिकायत किए जाने की जानकारी सामने आई है। शिकायत में भोजन की गुणवत्ता, पेयजल और स्वच्छता से जुड़े आरोपों का उल्लेख करते हुए जांच, जिम्मेदारी पर कार्रवाई, भोजन-पानी की लेब जांच तथा छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण जैसी मांगें रखी गई हैं। हालांकि इन आरोपों पर अंतिम स्थिति विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

अधीक्षकों को छात्रावास में ही रहना होगा

इसी पृष्ठभूमि में जारी विभागीय पत्र का पहला निर्देश ही छात्रावास अधीक्षकों की उपलब्धता और



जवाबदेही को लेकर है। सभी छात्रावास अधीक्षकों को अनिवार्य रूप से मुख्यालय अथवा संबंधित छात्रावास में निवास करना होगा तथा रात्रि विश्राम भी वहीं करना होगा। जिला कलेक्टरों को 24 अगस्त 2026 तक अधीक्षकों से मुख्यालय अथवा छात्रावास में निवास संबंधी प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि छात्रावास की व्यवस्था केवल कागजी निगरानी से नहीं चलेगी। अधीक्षक की वास्तविक मौजूदगी और विद्यार्थियों के बीच उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक होगा।

हर माह होगी छात्रावासों की समीक्षा

दूसरे बिंदु में छात्रावास व्यवस्था की नियमित समीक्षा पर जोर दिया गया है। प्रत्येक छात्रावास की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए नियमित रूप से बैठक आयोजित करनी होगी। बैठक की कार्यवाही का विवरण तैयार किया जाएगा और अगली बैठक में यह भी देखा जाएगा कि पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं दिए गए निर्देशों का किना पालन हुआ।

भोजन के समय बच्चों के बीच रहेंगे अधीक्षक

पत्र में भोजन व्यवस्था को लेकर भी विशेष जिम्मेदारी तय की गई है। छात्रावास अधीक्षक भोजन के समय विद्यार्थियों के साथ रहेंगे और भोजन की व्यवस्था पर नजर रखेंगे। छात्रावास समूह के माध्यम से प्रतिदिन दोनों समय की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। कंचनपुर में छात्राओं द्वारा भोजन में कीड़े मिलने की शिकायत के संदर्भ में यह निर्देश विशेष महत्व रखता है। अब भोजन की गुणवत्ता, वितरण और विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति की निगरानी केवल रसीद या मेस व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अधीक्षक की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी भी तय की गई है।

रोज बच्चों के साथ बैठेंगे अधीक्षक

निर्देशों में कहा गया है कि अधीक्षक प्रतिदिन बच्चों के साथ बैठेंगे। वे बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा उन्हें प्रोत्साहित करने का प्रयास करेंगे। बच्चों के शारीरिक विकास पर भी ध्यान देने के निर्देश हैं। सुबह और शाम विद्यार्थियों के साथ शारीरिक गतिविधियां एवं व्यायाम संबंधी गतिविधियां कराने को कहा गया है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हो और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित किया जा सके।

पढ़ाई और स्कूल उपस्थिति पर भी निगरानी

छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों की पढ़ाई पर



विशेष ध्यान देने के निर्देश हैं। यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाएं और पढ़ाई में पीछे न रहें। अधीक्षक विद्यालय के शिक्षकों के संतर्क में रहेंगे तथा प्रत्येक बच्चे की पढ़ाई और विद्यालय में उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त करेंगे। इससे छात्रावास को केवल रहने और भोजन की व्यवस्था तक सीमित रखने के बजाय विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति से जोड़ने की कोशिश की गई है।

खेल सामग्री और दैनिक खेल पर जोर

पत्र में शाम के समय बच्चों के साथ मैदान में किसी खेल का आयोजन कराने तथा उपलब्ध खेल सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अधीक्षक को यह देखना होगा कि खेल सामग्री केवल रिकॉर्ड में उपलब्ध न रहे, बल्कि विद्यार्थी उसका वास्तविक उपयोग भी करें। छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी स्पष्ट नियम बनाए गए हैं। जिला कलेक्टर की अनुमति के बिना किसी भी बाहरी व्यक्ति को छात्रावास परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसी प्रकार बिना अनुमति किसी बाहरी संगठन द्वारा छात्रावास में कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सकेगा। यदि कोई संगठन छात्राओं के लिए किसी प्रकार की गतिविधि आयोजित करना चाहता है तो उसके लिए सक्षम स्तर से अनुमति आवश्यक होगी। बाहरी लोगों के अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगाने के साथ इसकी जानकारी छात्रावास के बाहर सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

छात्रावास के अंदर फोटो खींचने पर रोक

निर्देशों का एक महत्वपूर्ण बिंदु छात्राओं की निजता और सुरक्षा से संबंधित है। किसी भी व्यक्ति को छात्रावास के अंदर फोटो खींचने की अनुमति नहीं होगी। यह प्रावधान छात्राओं की निजी सुरक्षा और छात्रावास परिसर की मर्यादा बनाए रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। छात्रावासों में पालक समिति की बैठक प्रत्येक माह आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में सामने आने वाली

समस्याओं एवं सुझावों को पंजी में दर्ज किया जाएगा और उनके निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विभाग ने निर्देश दिया है कि इस माह की बैठक शीघ्र आयोजित की जाए। यानी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की शिकायतों को केवल मौखिक स्तर पर सुनने के बजाय उसका लिखित रिकॉर्ड तैयार करने और समाधान की स्थिति दर्ज करने की व्यवस्था बनाई जा रही है।

छात्रावास की राशि के उपयोग का हिसाब

छात्रावास संचालन के लिए प्राप्त विभिन्न मर्दों की राशि के सही एवं समुचित उपयोग पर भी विभाग ने निगरानी बढ़ाई है। छात्रवृत्ति, पत्र-पत्रिकाएं, फर्नीचर, खेल सामग्री, सांस्कृतिक गतिविधियां, विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण तथा आकस्मिक मद में प्राप्त राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार करने और उसका लेखा-जोखा रखने के निर्देश हैं। राशि का सही उपयोग हो रहा है या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग जिला कलेक्टर द्वारा की जाएगी और इसके लिए संबंधित अधीक्षक को जिम्मेदार माना जाएगा।

विद्यार्थियों के खाते में पहुंची राशि का उपयोग भी पारदर्शी हो

यदि छात्रावास में रहने वाले बच्चों के खाते में सामग्री खरीदने के लिए राशि अंतरित की जाती है तो उस राशि से विद्यार्थियों अथवा उनके पालकों के माध्यम से सामग्री की खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। व्यवस्था में कोई बदलाव करना हो तो छात्रावास अधीक्षक से सुझाव लेकर जिला अधिकारी को अवगत कराने को कहा गया है।

एक विद्यार्थी के लिए एक बिस्तर

छात्रावासों में विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अलग-अलग बिस्तर उपलब्ध कराया जाए। एक बिस्तर पर एक से अधिक विद्यार्थी न रहें, यह सुनिश्चित करना होगा। यदि छात्रावास भवन में पर्याप्त जगह नहीं है तो क्षमता से अधिक प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जिन भवनों में जगह की कमी है, वहां अन्य भवन तलाशकर अधिग्रहण अथवा किराए पर लेकर छात्रावास संचालन की व्यवस्था करने के निर्देश हैं। यह निर्देश छात्रावासों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को रखने की स्थिति को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

छात्रावासों में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाना अनिवार्य किया गया है। बालिकाओं के आवासीय परिसरों में सुरक्षा को देखते हुए यह निर्देश विशेष महत्व रखता है। छात्रावासों में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिन संस्थाओं में अभी सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, वहां मुख्यालय को मांग प्रस्ताव भेजना होगा। इतना ही नहीं, कैमरे लगाने के बाद उनकी व्यवस्था नियमित रूप से संचालित रहे, इसके लिए हर माह सीसीटीवी के रखरखाव की मांग भेजने के भी

निर्देश हैं। यानी केवल कैमरा लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा, उसकी कार्यशीलता और रखरखाव भी सुनिश्चित करना होगा।

निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद छात्रावास में नहीं रह सकेंगे विद्यार्थी

महाविद्यालयीन छात्रावासों में किसी विद्यार्थी को अधिकतम पांच वर्ष तक प्रवेश दिया जा सकता है। इसमें स्नातक के लिए तीन वर्ष और स्नातकोत्तर के लिए दो वर्ष की अवधि निर्धारित है। इससे अधिक अवधि के लिए मुख्यालय की अनुमति आवश्यक होगी। निर्धारित समयावधि पूरी कर चुके विद्यार्थियों को छात्रावास में नहीं रखा जाएगा। इससे छात्रावासों की क्षमता और पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश देने की व्यवस्था व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है।

रोटी मेकर मशीनों का उपयोग अनिवार्य

जिन छात्रावासों को रोटी मेकर मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, वहां उनका उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। जिन जिलों में अभी तक रोटी मेकर मशीन उपलब्ध नहीं कराई गई है, वहां अगस्त माह के अंत तक मशीन उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। पत्र के अंतिम बिंदुओं में छात्रावास अधीक्षकों को बच्चों के पालकों के मोबाइल नंबर अपने पास रखने तथा विद्यार्थियों की उनके पालकों से मोबाइल पर बातचीत कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस पूरी व्यवस्था की पंजी नियमित रूप से संधारित की जाएगी। इसका उद्देश्य यह भी है कि विद्यार्थी अपने परिवार से संपर्क में रहें और यदि उन्हें छात्रावास में किसी प्रकार की समस्या है तो वह अपने पालकों तक भी पहुंच सके।

कंचनपुर की घटना के बाद निर्देशों की प्रासंगिकता बढ़ी

कंचनपुर की घटना के ठीक बाद सामने आए इन 18 बिंदुओं को देखें तो विभाग ने छात्रावास व्यवस्था के लगभग हर महत्वपूर्ण हिस्से को अपनी निगरानी के दायरे में लिया है। भोजन की गुणवत्ता से लेकर अधीक्षक की मौजूदगी, बच्चों के स्वास्थ्य और पढ़ाई, खेल, पालकों से संपर्क, बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश, फोटो खींचने पर रोक, सीसीटीवी, कर्मचारियों के पुलिस वेरिफिकेशन, बिस्तर की उपलब्धता और आर्थिक संसाधनों के उपयोग तक जवाबदेही निर्धारित की गई है। विशेष रूप से कंचनपुर की छात्राओं का छात्रावास से निकलकर सीधे कलेक्टर के पास पहुंचना इस बात का संकेत माना जा सकता है कि छात्रावासों में शिकायतों के निवारण की आंतरिक व्यवस्था को प्रभावी बनाना जरूरी है। विभागीय पत्र में पालक समिति की मासिक बैठक, समस्याओं एवं सुझावों की पंजी और अधीक्षक द्वारा प्रतिदिन बच्चों से संवाद जैसे निर्देश इसी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में दिखाई देते हैं।

स्थानीय भाषा में जवाब सुनकर मुस्कुराए

सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने बच्चों से किया आत्मीय संवाद



शहडोल। ग्राम पंचायत करीं स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल का बच्चों के प्रति आत्मीय और सहज अंदाज देखने को मिला। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कुछ समय बच्चों के बीच बैठे और उनसे बातचीत करते हुए उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों से संवाद के दौरान कलेक्टर ने आंगनबाड़ी में लगे चार्ट की ओर इशारा करते हुए उस पर बने भैंस के चित्र को

23 अगस्त को सरस्वती शिशु मंदिर में राष्ट्रभक्ति, सुर-ताल और वीर सम्मान का महासंगम

का माहौल खुशनुमा हो गया। कलेक्टर ने बच्चों से इसी तरह बातचीत करते हुए उनकी सीखने की क्षमता और सामान्य ज्ञान की परखा तथा उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने बच्चों ने आंगनबाड़ी में होने वाली प्रार्थना तथा अक्षर ज्ञान चित्र के माध्यम से फल, सब्जियां एवं पशुओं के नाम की भी जानकारी ली। बच्चों द्वारा सभी प्रश्नों का सकारात्मक उत्तर दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के वजन एवं लम्बाई की भी माप कराई तथा पंजी में दर्ज वजन एवं माप का निरीक्षण किया।

कलेक्टर पार्थ जायसवाल का बच्चों के साथ यह आत्मीय संवाद न केवल बच्चों के लिए उत्साहजनक रहा, बल्कि आंगनबाड़ी केंद्र में सीखने और संवाद का माहौल को भी सहज एवं आनंदमय बन गया। प्रदेश सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले की 500 सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में एलईडी टीवी के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा देने की व्यवस्था, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर प्यूरीफायर तथा पोषण आहार में सब्जी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु पोषण वाटिका का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण कर दवाओं एवं अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता और रख-रखाव की स्थिति देखी। इसके साथ ही किचेन का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने एनसीसी पंजीयन, आउट डोर एवं इनडोर पंजीयन संबंधी जानकारी का अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में संधारित किए जा रहे विभिन्न अभिलेखों एवं रिकॉर्ड का अवलोकन कर रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की समीक्षा



ही पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गोहपारू थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुस्तेदी दिखाते हुए इलाके के संदेहियों से पूछताछ की। सुराग मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर गोपाल सिंह गोंड निवासी बडकौड़ा, जितेंद्र सिंह गोंड निवासी बरई और राजकुमार साहू व तेजन साहू दोनों निवासी उमरिया, थाना गोहपारू को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर

आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया पूरा 20 बोरी धान और 6 बोरी गेहूं जब्त कर लिया। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी चारों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है। इस त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा के साथ प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह, रुद्रप्रताप, विजय मेहरा तथा आरक्षक राममोहन, मोनू शर्मा और दीपक साहू की सराहनीय भूमिका रही।

की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने, व्यवस्थाओं को बेहतर करने तथा मरीजों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ सुचारु रूप से उपलब्ध कराने के आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, खंड चिकित्सा अधिकारी सहित चिकित्सकीय एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

ख़बर संक्षेप

विद्यार्थियों का हिंदुस्तान पॉवर प्लांट में औद्योगिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण



जैतहरी। शासकीय महाविद्यालय जैतहरी में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजनांतर्गत विद्यार्थियों के लिए औद्योगिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदुस्तान पॉवर प्लांट, जैतहरी का भ्रमण कराया गया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्लांट की कार्यप्रणाली, विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया, विभिन्न तकनीकी इकाइयों तथा औद्योगिक क्षेत्र में अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली के संबंध में विशेषज्ञों एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को व्यावहारिक रूप से औद्योगिक वातावरण को समझने तथा तकनीकी एवं रोजगारपरक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्लांट की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करना तथा भविष्य में रोजगार एवं कैरियर के बेहतर अवसरों के लिए जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को औद्योगिक क्षेत्र में कार्य करने की संभावनाओं और आवश्यक कौशलों की जानकारी मिली। महाविद्यालय द्वारा आयोजित यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानार्थक एवं उपयोगी रहा।

सिकल सेल एनीमिया शिविर में 85 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, 24 को लगाया गया टीका

कोतमा। स्वास्थ्य विभाग अनूपपुर, आयुष विभाग अनूपपुर एवं जन स्वास्थ्य सहयोग संस्थान गनियारी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में एक दिवसीय सिकल सेल एनीमिया जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 85 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में चिकित्सक डॉ. संगीता प्रजापति ने मरीजों की जांच कर उन्हें सिकल सेल रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मरीजों को आवश्यक आधुनिक एवं आयुर्वेदिक औषधियां उपलब्ध कराई गईं। इनमें रूयनप्राश, अश्वगंधा पूर्ण, रासनसप्तक काढ़ा, त्रिकटु चूर्ण के साथ हाइड्रोक्सीयूरिया एवं फोलिक एसिड जैसी आवश्यक दवाइयां शामिल रही। रोग प्रतिक्रोधक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से शिविर में 24 मरीजों का टीकाकरण किया गया। इनमें 18 मरीजों को प्रथम खुराक तथा 6 मरीजों को द्वितीय खुराक दी गई। शिविर का आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. केपल दीवान के मार्गदर्शन में किया गया। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्थान गनियारी की ओर से पवन गुप्ता, सुष्मा नेति, वैसवी दुबे, आरती सिंह, अंजु मिज, वर्षा मिश्रा एवं सोमा सिंह सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं।

जैतहरी पुलिस ने दो पिकअप वाहनों से 14 मवेशी किए बरामद, एक की मौत



जैतहरी। जैतहरी थाना पुलिस ने मवेशियों की अवैध एवं क्रूरतापूर्वक दुलाई के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो पिकअप वाहनों से 14 मवेशियों को बरामद किया है। दोनों वाहनों में मवेशियों को रस्सियों से बांधकर टूस-टूसकर भरा गया था। बरामद मवेशियों में एक भैंस मृत अवस्था में मिली। कार्रवाई के दौरान दोनों वाहनों के चालक पुलिस को चकमा देकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को मुखबि्र से सूचना मिली थी कि दो सफेद रंग के पिकअप वाहनों में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना जैतहरी एवं पुलिस सहायता केंद्र वेंकटनगर की दो टीमों ने टकहली-पचौहा मार्ग पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान जैतहरी ऑक्सिजन प्लांट की ओर से दो पिकअप वाहन तेज गति से आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने दोनों वाहनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहनों को नहीं रोकते हुए तेज गति से भागने लगे। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर दोनों चालकों ने टकहली-पचौहा मार्ग के किनारे वाहन छोड़ दिए और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पहले पिकअप वाहन की तलाशी लेने पर उसमें तीन पड़े

जन-विश्वास अभियान के आवेदनों का शत-प्रतिशत हो निराकरण लंबित राजस्व प्रकरणों लंबित का शीघ्र निराकरण करें: कलेक्टर



उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण, मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, फार्मर, ई केवाय सी, आधार सीडिंग, सीएम हेलपलाइन तथा वर्षाकाल में जलभराव की स्थिति वाले क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की । कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन से सीधे जुड़े राजस्व प्रकरणों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने अधीनस्थ टैबलों का भी अवलोकन करते हुए फाइलों का अवलोकन करें । उन्होंने कहा कि जो फाइले मिल नही रही है, लेकिन पूर्व में अधिकारी के संज्ञान में थी, उन रीडरों को शो काज नोटिस जारी किया जाए। प्राकृतिक आपदा के प्रकरणों को सर्वोच्च

प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए । त्योहार के समय तहसील स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित किया जाए तथा जिला स्तर से जिन अधिकारियों की जहां पर ड्युटी लगाई गई है, वे अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रहकर अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ निर्वहन करें ताकि कानून व्यवस्था की स्थिति बिगडने नही

पाए । उन्होंने कहा कि भवनों की स्थिति जर्जर होने की स्थिति में उसे तत्काल खाली कराएं वहां पर स्कूल, आंगनबाड़ी संचालित नही किये जाए। सभी अधिकारी लंबित सी एम हेलपलाइन के प्रकरणों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें। उन्होंने निष्धारित समय सीमा में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति पर भी विशेष जोर देने की बात कही ।

कलेक्टर ने मां विरासिनी माता के दर्शन कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा



श्रद्धालुओं के आवागमन, स्वच्छता, पेयजल, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाएं। परिसर में साफ-सफाई नियमित रूप से बनाए रखने तथा आवश्यक स्थानों पर व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने विरासिनी मंदिर परिसर को विस्तारित करने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश एसडीएम पाली को दिए । उन्होंने निर्देशित किया कि मंदिर पहुंच मार्ग को चौड़ा बनाने तथा मंदिर कार्यालय के व्यवस्थित निर्माण की भी कार्य योजना प्रस्तुत करें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम पाली मोनाक्ष इंगले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने गत दिवस बिरसिंहपुर पाली पहुंचकर मां विरासिनी माता के दर्शन कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। दर्शन उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने जवारा कलश स्थल, मंदिर परिसर तथा कार्यालय का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मंदिर प्रबंधन से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने

बोलेरो से 302 लीटर अवैध शराब जब्त राजा सिंधी सहित दो के खिलाफ केस

जैतहरी। अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के खिलाफ जैतहरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना नंबर की महिंद्रा बोलेरो से 302.520 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत करीब 2 लाख 26 हजार 476 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने वाहन भी जब्त कर लिया है। मामले में राजा सिंधी और अज्ञात चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार 22 अगस्त की रात करीब 2 बजे मुखबि्र से सूचना मिली कि सफेद रंग की बोलेरो एस-6 में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब अनूपपुर से जैतहरी लाई जा रही है। सूचना पर जैतहरी पुलिस ने डायल-112 रुपये आंकी गई है। फाटक के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद अनूपपुर की ओर से एक ट्रक के पीछे सफेद रंग की बोलेरो आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन रोकने का प्रयास किया। वाहन धीमा होने पर चालक की बगल वाली सीट पर राजा सिंधी दिखाई दिया। पुलिस के रोकने के प्रयास के बाद बोलेरो चालक ने वाहन को तेज गति से जैतहरी की ओर भगाया। पुलिस और डायल-112 वाहन ने पीछा किया। चालक अमन होटल के पास से पीछे के रास्ते में



बोलेरो लेकर चला गया। कुछ दूरी पर चालक और राजा सिंधी अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने गवाहों की मौजूदगी में बोलेरो की तलाशी ली। वाहन में रखे कार्टूनों में 8 पीएम, मैकडोवेल्स, रॉयल स्टेग, मैजिक मोमेंट, बोल्ड बीयर और गोवा बॉन्ड सहित विभिन्न कंपनियों की अंग्रेजी शराब मिली। शराब की कुल मात्रा 302.520 लीटर मिली, जिसकी अनुमानित कीमत 2,26,476 रुपये है। पुलिस ने शराब और बोलेरो को जब्त कर कार्रवाई की वीडियोवाफ्री भी कराई। फरार अज्ञात चालक और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में आगे की विवेचना जारी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनूपपुर के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में जैतहरी थाना प्रभारी निरीक्षक गोकुलानंद पाण्डेय, उप निरीक्षक अररलाल यादव, सउनि सुरेश कोरी, सउनि श्याम शुक्ला, सउनि जयसिंह, आरक्षक क्रमांक 250 नरेंद्र जाट एवं आरक्षक क्रमांक 312 मनीष सिंह तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जैतहरी पुलिस ने दो पिकअप वाहनों से 14 मवेशी किए बरामद, एक की मौत

अमरकंटक का अनूठा आध्यात्मिक धाम श्री यंत्र मंदिर

जहां श्री चक्र के त्रिआयामी स्वरूप में साकार होती है शक्ति उपासना की अद्भुत परंपरा

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गमस्थली अमरकंटक केवल प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक आस्था की भूमि ही नहीं, बल्कि सनातन साधना, अध्यात्म और भारतीय संस्कृति की विविध परंपराओं को अपने भीतर समेटे हुए एक अनुपम तपोभूमि है। इसी पावन धरा पर सोनमुड़ा मार्ग में स्थित श्री यंत्र मंदिर अपनी अनूठी स्थापत्य कला, आध्यात्मिक महत्ता और श्री विद्या उपासना की विशिष्ट परंपरा के कारण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। श्री यंत्र मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसका श्री यंत्र अथवा श्री चक्र के त्रिआयामी स्वरूप में निर्मित मंदिर विन्यास है। मंदिर की संरचना भारतीय आध्यात्मिक चिंतन और स्थापत्य कला के अद्भुत समन्वय का परिचय देती है। शांत वनांचल, हरियाली और अमरकंटक की आध्यात्मिक आभा के मध्य स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं को दर्शन के साथ-साथ आत्मिक शांति का अनुभव कराता है। मंदिर परिसर का प्रवेश द्वार अपने आप में अत्यंत आकर्षक है। यहां चार-मुखी विशाल प्रतिमाओं का स्वरूप श्रद्धालुओं का ध्यान सजज ही अपनी ओर खींचता है। मंदिर की धार्मिक परंपरा में इन्हें मां महालक्ष्मी, मां महासरस्वती, मां महाकाली एवं मां भुवनेश्वरी के स्वरूप से जोड़ा गया है। चारों दिशाओं में शक्ति के विभिन्न स्वरूपों की यह अभिव्यक्ति मंदिर की आध्यात्मिक अवधारणा को और गहराई प्रदान करती है। मंदिर की स्थापत्य रचना में देवी उपासना, श्री विद्या साधना और भारतीय शिल्प परंपरा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। श्री यंत्र मंदिर की कलात्मक विशेषताओं में मुख्य मंडल के नीचे निर्मित प्रतिमाएं भी महत्वपूर्ण हैं। यहां भगवान श्री गणेश, श्री कार्तिकेय तथा 64 योगिनियों की प्रतिमाओं को स्थान दिया गया है। इन प्रतिमाओं की शिल्पकला मंदिर को धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विशिष्ट बनाती है। मंदिर के विभिन्न भागों में देवी-देवताओं और आध्यात्मिक प्रतीकों की कलात्मक अभिव्यक्ति भारतीय मूर्तिकला की समृद्ध परंपरा की



झलक प्रस्तुत करती है। मंदिर के चारों ओर निर्मित संरचना और उसके मध्य स्थित मुख्य मंदिर का स्वरूप श्रद्धालुओं को श्री चक्र की आध्यात्मिक अवधारणा से जोड़ता है। श्री यंत्र को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति उपासना का अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। इसी पवित्र अवधारणा को मंदिर की त्रिआयामी संरचना में साकार किया गया है। इस कारण श्री यंत्र मंदिर अमरकंटक के धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर एक अलग पहचान रखता है। मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालु जहां देवी शक्ति के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन करते हैं, वहीं इसकी स्थापत्य रचना भारतीय आध्यात्मिक चिंतन की गहराई का अनुभव भी कराती है। श्री यंत्र मंदिर की आध्यात्मिक यात्रा में इसके संस्थापक संत आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी शुक्रदेवानंद

जी महाराज का योगदान विशेष रूप से स्मरणीय है। उनकी तपस्या, साधना और आध्यात्मिक दृष्टि ने इस धार्मिक परिसर को विशिष्ट पहचान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 19 अगस्त 2026 को संत आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी शुक्रदेवानंद जी महाराज की आठवीं पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में धूमधाम से मनाई गई। वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामी शरदपुरी जी महाराज के सान्निध्य में भक्तों ने अपने पूज्य संत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धा का वातावरण दिखाई दिया। भक्तों ने अपने आराध्य संत को स्मरण करते हुए उनके आध्यात्मिक जीवन, साधना और लोककल्याण के कार्यों को नमन किया। इस अवसर ने एक ओर जहां संस्थापक संत की स्मृतियों को जीवंत किया, वहीं दूसरी ओर उनकी साधना परंपरा को आगे बढ़ाने के संकल्प को भी मजबूती प्रदान की। भक्तों के लिए यह अवसर केवल पुण्यतिथि का आयोजन नहीं, बल्कि अपने गुरु और आध्यात्मिक मार्गदर्शक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर रहा। वर्तमान स्वामी शरदपुरी जी महाराज के नेतृत्व में संत परंपरा और मंदिर की आध्यात्मिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सोनमुड़ा मार्ग पर स्थित श्री यंत्र मंदिर की विशेषता केवल इसकी धार्मिक संरचना तक सीमित नहीं है। इसके चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ी वातावरण और अमरकंटक की शांत प्राकृतिक छटा मंदिर की आध्यात्मिक अनुभूति को और गहरा करती है। अमरकंटक में जहां मां नर्मदा का उद्गम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, वहीं ज्वालेश्वर, कपिलधारा, सोनमुड़ा सहित अनेक धार्मिक और प्राकृतिक स्थल इस क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत को समृद्ध करते हैं। इन्हीं स्थलों के बीच श्री यंत्र मंदिर अपनी विशिष्ट स्थापत्य शैली और शक्ति उपासना की परंपरा के कारण अलग पहचान बनाता है।

राखी मेले में स्व-सहायता समूह की दीदियों के लोकल उत्पादों की धूम

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण अ आजीविका मिशन, जिला पंचायत उमरिया के माध्यम से स्व-सहायता समूह की ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा



देने के उद्देश्य से राखी मेले का आयोजन 25 अगस्त तक काली मंदिर के सामने किया जा रहा है। मेले का शुभारंभ 21 अगस्त को किया गया। राखी मेले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए मेले में रंग-बिरंगी एवं आकर्षक राखियों की विशेष श्रृंखला उपलब्ध है। जिला प्रबंधक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तुष्टि गर्ग ने बताया कि मेले में राखियों के साथ रुमाल, वूडिया, लेडीज पर्स, रेडीमेड वस्त्र, दाल, दलिया, चावल, मसाले, वॉशिंग सोप, मिठाई, हवन सामग्री, मोती माला सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जा रही है। मेले के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध होने के साथ उनकी आय एवं आत्मनिर्भरता बढ़ाने का अवसर मिला रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे मेले में पहुंचकर स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें और ग्रामीण महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करें।

लगातार बारिश में गिरी बाउंड्रीवॉल, बाल-बाल बचे लोग



कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 5 में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश के बीच गुरुवार शाम करीब 7 बजे पूर्व पार्श्व श्रीमती रानी सिंह पति मिंटू सिंह के घर के पीछे की बाउंड्रीवॉल अचानक भरभराकर गिर गई। करीब 20 फीट लंबी और 7 फीट ऊंची दीवार के गिरने से कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया और सड़क पर आवागमन बाधित रहा। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय बारिश के कारण सड़क पर लोगों की आवाजाही कम थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नगर में आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लगातार बारिश से नगर के विभिन्न वार्डों में सड़कें खराब होने के साथ जगह-जगह गहरे और

जानलेवा गड्ढे बन गए हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। वहीं पुराने और कमजोर भवनों तथा दीवारों पर भी गिरने का खतरा बढ़ गया है। वार्ड क्रमांक 5 में ही कुछ दिन पूर्व एक मकान की छत का हिस्सा गिरने से नीचे खड़ी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे

लाखों रुपये का नुकसान हुआ था। लगातार बारिश को देखते हुए नगरवासियों ने जर्जर मकानों और कमजोर दीवारों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग नगर पालिका प्रशासन से की है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके।

खबर संक्षेप

20 सरवाही नाला में बाढ़ आने से गांव का संपर्क कटा



व्योहारी। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम सरवाही कला जाने के लिए सरवाही नाला को पार करना पड़ता है क्षेत्र में इन दिनों भारी बारिश हो रही है सरवाही नाल उत्थान पर इस कारण से बस गाड़ी मुख्य मार्ग से आधा दर्जन गांव का संपर्क कट गया है पिछले साल भी समस्या हुई थी तो शान द्वारा यहां पर नया पुल बनवाने के लिए आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक पुल नहीं बना फिर वही समस्या बरसात में आ गई। ग्राम पंचायत की सरपंच संतोषी सिंह, उपसरपंच विक्रमादित्य गुप्ता एवं ग्रामीणों ने शीघ्र यहां नवीन पुल बनवाये जाने की मांग की है।

प्रशासन की लापरवाही पर आंसू बहा मरीजों के बर्तनों के भरोसे टिकी स्वास्थ्य सेवा



शहडोल। बारिश ने पूरे शहडोल में जलजमाव की स्थिति पैदा कर शहर के ड्रेनेज सिस्टम की पोल तो खोली ही है, लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था का जो वाटरप्रूफ सच सामने आया है, उसने तो

त्रंत्र की संवेदनशीलता पर ही बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल से लेकर धनपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक, अस्पतालों की छतों इस कदर टपक रही

हैं मानो प्रशासन की लापरवाही पर आंसू बहा रही हों। जरा सोचिए, जहां ईसान दर्द मिटाने और जिंदगी बचाने की आस लेकर आता है, वहां उसे बीमारी से पहले टपकती छत और बहते



पानी से जंग लड़नी पड़ रही है। जिला अस्पताल के आर्थो वार्ड की स्थिति तो यह हो गई कि जब ऊपर से पानी का प्रपात चालू हुआ, तो मरीजों और उनके परिजनों ने अपने घर से लाए बर्तन फर्श पर सजा दिए। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोई बाल्टी तक मयस्सर नहीं हुई, तो मरीजों ने खुद ही जल संरक्षण का यह अनोखा ठेका संभाल लिया। बात सिर्फ जिला अस्पताल तक सीमित नहीं है। धनपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एक्स-रे विभाग का नजारा तो और भी दिलचस्प है। वहां छत से टपकती धार सीधे एक्स-रे मशीन के आसपास गिर रही है। लाखों-करोड़ों की मशीनें बारिश में नहा रही हैं और मरीज बाहर खड़े

होकर इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब पानी रुकेगा और कब उनका सुरक्षित एक्स-रे हो पाएगा। करंट फैलने का खतरा अपनी जगह है, लेकिन शायद साहब लोगों के लिए मरीजों की जान से ज्यादा कागजी फाइलें कीमती हैं। जब इस पूरे मामले पर जिला अस्पताल की सहायक प्रबंधक पूजा सोनी से बात की गई, तो उनका वही पुराना, घिसा-पिटा प्रशासनिक जवाब आया, बिल्डिंग पुरानी और जर्जर है, सुधार का काम चल रहा है। परेशानी हो रही है तो मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट कर देंगे। सवाल यह उठता है कि क्या हर साल आने वाली बारिश प्रशासन के लिए अचानक से कोई सरप्राइज लेकर आती है? जब मॉनसून सिर पर था, तब मरम्मत के नाम पर कौन से तीर मारे जा रहे थे? जब तक किसी मरीज के ऊपर छत का प्लास्टर न गिर जाए या भीगी मशीन से कोई बड़ा हादसा न हो जाए, तब तक क्या जिम्मेदार यूं ही चैन की नौद सोते रहेंगे? शहडोल की जनता पुछ रही है कि आखिर इस रामभरोसे चलती स्वास्थ्य व्यवस्था का इलाज कौन करेगा?

अमलाई पुलिस का बिछिया के जंगलों में छापा



6 जुआरी रंगे हाथ गिरफ्तार, 2 लाख से ज्यादा का माल जप्त

शहडोल। जिले में अवैध कारोबार और जुए-सट्टे के अड्डों पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अमलाई पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल के कड़े निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए अमलाई पुलिस टीम ने ग्राम बिछिया के जंगल में चल रहे जुए के फड़ पर अचानक दबिबा दी। इस कार्रवाई में मौके से 6 शांतिर जुआरियों को रंगे हाथ दबोचा गया, जबकि 2 अन्य आरोपी पुलिस की भनक लगते ही फरार होने में कामयाब रहे।

मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी

जानकारी के अनुसार, 21 अगस्त को अमलाई पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम बिछिया-लुकामपुर रोड पर जंगल के किनारे कुछ लोग ताश के पत्तों पर लाखों का दांव लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रणनीतिक तरीके से जंगल को चारों तरफ से घेरकर अचानक रेड मारी।



उमरिया। सोशल मीडिया के लाइक, कमेंट और दो-चार सेकेंड की सस्ती लोकप्रियता का नशा आजकल के युवाओं के सिर चढ़कर इस कदर बोल रहा है कि उन्हें अपनी जान की कोड़ी बराबर कीमत नहीं समझ आ रही।

जंगल के रास्ते गो वंश की तस्करी नाकाम



सोहागपुर पुलिस की घेराबंदी में 79 मवेशी बरामद, 2 तस्कर गिरफ्तार

शहडोल। जिले की सोहागपुर थाना पुलिस ने अवैध पशु परिवहन और तस्करी के खिलाफ सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने जमुआ गांव से सटे जंगल क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर 79 मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ले जाए जाने के मामले का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान मौके से दो संदिग्ध तस्करों को दबोचा गया है, जबकि उनके

अन्य साथियों की तलाश जारी है। सटीक मुखबिर सूचना के आधार पर सोहागपुर पुलिस को खबर मिली थी कि मवेशियों का एक बड़ा झुंड रिसस्यों से बांधकर जंगल के छिपे रास्तों से पैदल हांका जा रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने जमुआ के आसपास के संभावित रास्तों पर सख्त निगरानी रखी। पुलिस को सामने देख मवेशी ले जा रहे लोगों में हड़कंप मच गया और वे भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन मुस्तैद जवानों ने उन्हें चारों तरफ से घेरकर धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनूपपुर जिले के करण पटार निवासी छोदू यादव और अशोक सिंह गोंड के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि ये मवेशी बुढ़ार क्षेत्र के बीरहुली समेत आसपास के इलाकों से जुटाए गए थे। मुख्य सदस्यों और चेकिंग प्वाइंट्स से बचने के लिए आरोपी इन्हें जंगल के उबड़-खाबड़ रास्तों से पैदल डिंडोरी की ओर ले जा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सभी 79 मवेशियों को सुरक्षित मुक्त कराकर स्थानीय किसान की देखरेख में सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस अब नेटवर्क के मुख्य सरगना, मवेशियों के वास्तविक स्रोतों और संभावित खरीदारों की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

विराट नारी शक्ति सेवा संस्थान का सावन उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न



शहडोल। विराट नारी शक्ति सेवा संस्थान, शहडोल द्वारा शुक्रवार को होटल आशियाना में भव्य सावन उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सावन के रंगों और भारतीय संस्कृति की खूबसूरत झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक अंदाज में किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर श्रीगणेश, महादेव जी के आशीर्वाद के साथ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती उर्मिला कटारे जी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, श्रीमती मेधा पवार जी पूर्व सदस्य म प्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं विशेष अतिथि सीमा कादरी जी उपस्थित रही।

महिलाओं के लिए हरियाली श्रृंगार प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, सावन गीत प्रतियोगिता, सावन कवीन प्रतियोगिता एवं डांस प्रतियोगिता सहित विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने सावन गीतों, नृत्य और आकर्षक पारंपरिक परिधानों के माध्यम से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वादिष्ट अल्पाहार की भी व्यवस्था रही। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। सभी ने एक-दूसरे को सावन



पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक डॉ. नूतन सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं सभी

महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष गीता मिश्रा, उपाध्यक्ष नीता मुंदड़ा, कोषाध्यक्ष नीता अरोड़ा, सह-कोषाध्यक्ष रुखसाना सहित संस्था के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संस्था की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अन्नपूर्णा गोस्वामी, सपना निपाटी, शिष्या मजूमदार, स्नेहा अग्रवाल, दीपिका निगम, स्मृति द्विवेदी, पुष्पा सिंह, लक्ष्मी, नीलम रस्तोगी, मानसी बृजेन्द्र सिंह, सपना वतन प्रताप सिंह, डॉ प्रार्थना दुबे, डॉ नम्रता मिश्रा, सीमा कादरी, अन्वी मिश्रा, रेखा संत, रेखा मिश्रा, रेणु पाण्डे, अन्नपूर्णा गुप्ता, जया खरे, चीनू, दीक्षा, किरण गौतम आदि कलब मेंबर्स शामिल रही। हरियाली कवीन बनी श्रीमती मानसी बृजेन्द्र सिंह, सोलह श्रृंगार विजेता रही रुखसाना खान, डांस में बाजी मारी सीमा कादरी ने, दूसरे स्थान पर रही स्मृति द्विवेदी, तीसरे स्थान पर रही नीता मुंदड़ा। गेम में प्रथम विनर थी, सपना वतन प्रताप सिंह, द्वितीय रेखा, तृतीय स्नेहा अग्रवाल। सावन में मां की याद कविता ने सभी को मायके की याद दिला गया विनर रही डॉ. प्रार्थना दुबे। गीत में बाजी मारी अन्नपूर्णा गोस्वामी ने। छोटी बच्ची अन्वी के घूमर नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। अंत में सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

रोजगार मेले में 133 युवाओं का किया गया चयन

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने बताया कि रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में आयोजित युवा संगम रोजगार मेले में 133 युवाओं का चयन किया गया है, जिसमें एसआईएस अनुपपुर में 7, गोल्ड गोल्ड गोल्ड फार्मर एग्रीकल्चर में 27, फुड काउंट इंस्टिट्यूट शहडोल में 13, गेट आगेमिक डायमंड सागर में 16, हीरो मोटर्स पीथनपुर में 70 युवाओं को रोजगार प्रदाय किया गया। मेले में 110 युवाओं ने अपना पंजीयन कराया।

श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा आज महरोई से होगी प्रारंभ

उमरिया। श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान के तहत समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अगस्त को यह यात्रा महरोई, किरनताल, करकेली, सिलौली, देवडंडी, देवरी, महुरा, पिन्नौर, छपरी, नौरोजाबाद वार्ड नंबर 14, 09, 02, छांदखुर्द होते हुए पाली पहुंचेगी जहां यात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

ब्रम्हलीन महन्त-श्रीराम बालक दास की पुण्य तिथि श्रीराम जानकी मन्दिर में श्रद्धापूर्वक मनायी गयी

बुढ़ार। श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार के ब्रम्हलीन महन्त-श्रीराम बालक दास जी महाराज के प्रथम पुण्य तिथि पर नगर एवं आस-पास के श्रद्धालु तथा धर्मप्रेमी मन्दिर पहुंचकर महन्त श्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धानमन किये, और धर्म के क्षेत्र में महन्त श्री के अविस्मरणीय योगदान का श्रद्धालुजनों ने पुण्य स्मरण किये। श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज के सानिध्य में शनिवार को मंदिर में ब्रम्हलीन महन्त-श्रीराम बालक दास जी की पुण्यतिथि वैदिक मंत्रोच्चार एवं पुजन अर्चन के साथ मनायी गई, और महन्त श्री के परमशिष्यों, धर्मप्रेमियों तथा धर्मानुरागियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाभाव के साथ श्रद्धानमन किये।



सुप्ता, सत्येन्द्र शुक्ला, भानु दीक्षित, सुजीत सिंह चंदेल, अरविन्द नायक, पाण्डे श्रीमती सविता सिंह, आशीष नामदेव पवन सोनी सहित नगर एवं आस-पास के धर्मानुरागी व श्रद्धालुजनों ने ब्रम्हलीन महन्त श्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। ब्रम्हलीन महन्त-श्रीराम बालक दास जी को श्रद्धानमन करते हुये नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि - श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार के साकेतवासी पूज्य

उपलब्धिपूर्ण व प्रशंसनीय बना हुआ है। श्रीराम जानकी मन्दिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज ने ब्रम्हलीन महन्त श्री को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कहाकि - धार्मिक आयोजनों को भव्यता दिलाने और सभी के मंगलमय जीवन का शुभाशीष महन्त श्री ने सदैव दिये जिसके कारण श्रद्धालुओं में उनके प्रति श्रद्धा का भाव बना हुआ है और उनके पुण्य तिथि पर धार्मिक कार्यो व आयोजनों को हम सभी स्मरण कर रहे हैं यही उनके प्रति हमारी सच्ची निष्ठा है। महन्त श्री अर्जुन दास ने कहाकि - साकेतवासी महाराज श्री के धर्मध्वजा को ब्रम्हलीन महन्त श्री ने श्रीराम जानकी मंदिर बुढ़ार में विविध आयोजनों को भव्यता दिलाकर निरन्तर आगे बढ़ाते रहे और वे सदैव सहज रहे उनकी आशाओं के अनुरूप धर्मप्रेमियों की भरपूर सहभागिता से मन्दिर के धार्मिक आयोजन का पुण्य लाभ नगर ही नहीं बल्कि क्षेत्र के श्रद्धालुजनों को मन्दिर की चली आ रही परम्परानुरूप श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक भव्यता के साथ अर्जित कराने पूर्ण प्रयास रहेगा।

सड़क की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने खुद उठाया सड़क बनाने का जिम्मा

वीडियो बना वायरल कर बताया विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल सिंह मार्को का है ससुराल गांव

अनूपपुर के पुष्पराजगढ़ में सड़क की बदहाली से परेशान ग्रामीणों ने अब इंतजार छोड़कर खुद कुदाल उठा ली है। जरही से भालूचुआ तक का मार्ग बारिश में कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे कई गांवों का संपर्क प्रभावित होता है। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने श्रमदान कर रास्ते को चलने योग्य बनाने का प्रयास किया है। जिसकी वीडियो बना वायरल कर ग्रामीण विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के ससुराल गांव का उल्लेख करते हुए अपनी पीड़ा सामने रख रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर।

विकास की असली तस्वीर अक्सर उन रास्तों पर दिखाई देती है, जिनसे होकर गांव शहर और मुख्यालय से



जुड़ते हैं। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में जरही से भालूचुआ तक का मार्ग इसी तस्वीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्रामीणों के अनुसार, यह रास्ता भालूचुआ, परसेल कला, डूमरटोला, मौहारी सहित कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। बरसात में सड़क की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि आवागमन कठिन हो जाता है। स्कूली बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष परेशानी उठानी पड़ती है। सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा कई बार आवेदन और निवेदन किए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक सामने नहीं आया है। इसी स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को स्वयं फावड़ा और कुदाल लेकर रास्ते पर श्रमदान किया है। यह प्रयास केवल सड़क को तत्काल चलने योग्य बनाने का नहीं, बल्कि जिम्मेदार व्यवस्था का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रतीक है।



ग्रामीण अब आश्वासन से आगे बढ़कर स्थायी सड़क निर्माण की अपेक्षा कर रहे हैं।

वर्षों से अधूरी उम्मीद

ग्रामीणों का कहना है कि पक्की सड़क की मांग लंबे समय से चली आ रही है। चुनावों के दौरान सड़क निर्माण जैसे मुद्दे प्रमुखता से सामने आते हैं, लेकिन चुनाव के बाद वही मांग फिर सरकारी प्रक्रिया में उलझ जाती है। ग्रामीणों

के अनुसार आवेदन और निवेदन के बावजूद अपेक्षित कार्यवाही नहीं हुई है। अब उनका कहना है कि उन्हें आश्वासन से अधिक स्थायी समाधान चाहिए।

बारिश में बड़ जाती है मुश्किल

बरसात के दौरान जरही-भालूचुआ मार्ग की स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। कीचड़ और फिसलन के कारण पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक स्कूली बच्चों को परेशानी के बीच स्कूल जाना पड़ता है, जबकि मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचाने में भी कठिनाई होती है। ऐसे में सड़क का निर्माण केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से भी जुड़ा महत्वपूर्ण सवाल बन जाता है।

ग्रामीणों ने खुद संमाली कुदाल

जब समस्या का समाधान सरकारी स्तर पर नहीं हुआ तो ग्रामीणों ने स्वयं श्रमदान का रास्ता चुना। फावड़ा-कुदाल लेकर उन्होंने मार्ग पर मिट्टी डालने और उसे समतल करने का प्रयास किया। ग्रामीणों का यह प्रयास व्यवस्था के प्रति उनकी नाराजगी के साथ-साथ अपने गांव के प्रति जिम्मेदारी की भी दशांता है। हालांकि अस्थायी श्रमदान तत्काल राहत दे सकता है, लेकिन स्थायी सड़क

निर्माण के लिए प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रिया आवश्यक होगी।

वायरल वीडियो में विधायक के ससुराल का उल्लेख

सड़क की बदहाली को लेकर सामने आया ग्रामीणों का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। वीडियो में ग्रामीण पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के ससुराल गांव का उल्लेख करते हुए सड़क की समस्या सामने रखते हैं। ग्रामीणों का यह कहना क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को लेकर सवाल खड़ा करता है। हालांकि सड़क की स्वीकृति और निर्माण की स्थिति को लेकर संबंधित विभाग का आधिकारिक पक्ष भी महत्वपूर्ण होगा।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ने की उम्मीद

ग्रामीणों की मांग है कि जरही से भालूचुआ तक सड़क का स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए और नियमानुसार पक्की सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाए। सड़क बनने से आसपास के गांवों का मुख्यालय से संपर्क बेहतर होगा और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार से जुड़ी गतिविधियां तक पहुंच आसान होगी। ग्रामीणों ने अपनी ओर से श्रमदान कर संदेश दे दिया है। अब उम्मीद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से है कि इस समस्या का स्थायी समाधान तलाश जाएगा।

नाबालिग छात्राओं से अश्लील कृत्य करने वाले शिक्षक को 14 वर्ष का सश्रम कारावास

नौ नाबालिग छात्राओं से अश्लील कृत्य के मामले में प्रत्येक प्रकरण में पांच वर्ष की सजा

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। रामनगर थाना क्षेत्र के एक विद्यालय में अध्यक्षनरत नौ नाबालिग छात्राओं के साथ अश्लील कृत्य करने के मामले में विशेष न्यायालय ने आरोपी शिक्षक को कठोर सजा सुनाई है। तृतीय अपर सत्र न्यायालय एवं विशेष न्यायाधीश (पाँक्सो) श्रीकृष्ण डागलिया के न्यायालय ने 21 अगस्त को सत्र प्रकरण क्रमांक 50/24 में सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी शिक्षक को पाँक्सो अधिनियम के तहत प्रत्येक पीड़िता के संबंध में पांच वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया। नौ पीड़िताओं के संबंध में अलग-अलग पांच-पांच वर्ष की सजा सुनाए जाने से कुल 45 वर्ष के सश्रम कारावास का दंड निर्धारित हुआ। इसके साथ ही प्रत्येक मामले में 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जो कुल 90 हजार रुपये है। इसके अलावा भारतीय न्याय संहिता के संबंधित प्रावधान के तहत भी आरोपी को तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। न्यायालय ने आरोपी की आयु को ध्यान



में रखते हुए पृथक-पृथक दी गई सजाओं को एक साथ भुगतने का आदेश दिया। इसके परिणामस्वरूप आरोपी को कुल 14 वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। प्रकरण की घटना 20 अगस्त 2024 से 23 अगस्त 2024 के बीच की है। इस अवधि में रामनगर थाना क्षेत्र के एक विद्यालय में अध्यक्षनरत 12 वर्ष से कम आयु की नाबालिग छात्राओं के साथ शिक्षक द्वारा बुरी नीयत से छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत पुलिस को प्राप्त हुई थी। शिकायत मिलने के बाद रामनगर पुलिस ने मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में प्रकरण की विवेचना करते हुए पुलिस ने सभी नाबालिग

छात्राओं के कथन दर्ज कराए तथा घटना से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्यों का संकलन किया। विवेचना पूरी होने के बाद आरोपी शिक्षक के विरुद्ध अभियोग पत्र विशेष पाँक्सो न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान सभी नाबालिग को साक्ष्य के लिए न्यायालय के समक्ष बुलाया गया। पीड़ितों ने न्यायालय में अपने साथ हुई घटनाओं के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए। अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए कठोर दंड सुनाया। न्यायालय ने इस प्रकरण के अपराधों पर अंकुश लगाने और समाज में नाबालिग बच्चों की सुरक्षा के प्रति कठोर संदेश देने के उद्देश्य से आरोपी शिक्षक को दंडित किया। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक हेमंत अग्रवाल ने पेरवै की। मामले में शामिल सभी नाबालिग पीड़िताओं की पहचान पाँक्सो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पूर्णतः गोपनीय रखी गई है। नाबालिग के नाम, पता अथवा पहचान उजागर करने वाली किसी भी जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

अक्टूबर से भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों के लिए नकद निकालना होगा महंगा

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। राजनगर क्षेत्र सहित पूरे देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक बड़े महत्वपूर्ण सार्वजनिक सूचना जारी की है। यह सूचना सीधे तौर पर आपके बैंक खाते से नकदी निकालने यानी कैश विड्रॉल के नियमों से जुड़ी है। बैंक ने आगामी 1 अक्टूबर 2026 से ग्राहकों के लिए नकद निकासी के नियमों और शुल्कों में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। यह नया बदलाव विशेष तौर पर बैंक के बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खाताधारकों को प्रभावित करने वाला है।

बैंक के इस निर्णय से गरीब परेशान होने वाले हैं, क्योंकि यह शुल्क इनके खातों के ट्रांजेक्शन पर लगने वाला है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा जारी की गई आधिकारिक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, बैंक ने अपने बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के नकद



पूरी तरह से मुफ्त मिलती रहेगी। यानी एक माह में पहली चार बारशाखा से नकदी निकालने पर ग्राहकों से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। अगर आपकी मासिक नकद जरूरतें अधिक हैं और आप एक महीने में चार बार से ज्यादा नकदी निकालते हैं, तो आपकी जेब पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। सार्वजनिक सूचना के अनुसार, महीने के निर्धारित 4 मुफ्त लेनदेन की सीमा पार होने के बाद प्रत्येक अतिरिक्त नकद निकासी ट्रांजेक्शन पर 15 रुपये और जीएसटी का शुल्क देना ओ होगा। यह शुल्क सीधे तौर पर खाताधारक के खाते से काटा जाएगा। डिजिटल लेनदेन को नाला पर निर्मित बांध पूरी तरह भर चुके हैं। इसी प्रकार नर्मदा मंदिर के समीप स्थित इंद्र स्नान तालाब, मार्कंडेय आश्रम का तालाब तथा बटे कृष्णा आश्रम का तालाब भी पानी से लबालब हो गए हैं। बारिश ने जहां इन जलस्रोतों को नया जीवन प्रदान किया है, वहीं अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता में भी चार चांद

झमाझम बारिश से जलस्रोतों ने ओढ़ी पूर्णता की चादर, गायत्री सरोवर का पानी मार्ग पर पहुंचा, आवागमन बाधित

अमरकंटक के बांध, सरोवर और तालाब हुए लबालब

हरिभूमि न्यूज़ अमरकंटक। विंध्य और सतपुड़ा की सुरम्य पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में बसी पवित्र नगरी अमरकंटक इन दिनों प्रकृति के अनुपम जलवैभव से सराबोर है। अषाढ़ से लेकर श्रावण मास तक हुई झमाझम एवं मूसलाधार बारिश ने नगर के बांधों, सरोवरों और तालाबों को जल से इस कदर भर दिया है कि मानो प्रकृति ने स्वयं इनके आंचल में जल की अक्षय संपदा उड़ेल दी हो। नगर क्षेत्र के अधिकांश जलस्रोत पूरी तरह लबालब हैं और अनेक स्थानों पर पानी निर्धारित क्षमता की सीमा तक पहुंच चुका है। लगातार हुई बारिश का प्रभाव गायत्री सरोवर पर भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है। सरोवर के पूरी तरह भर जाने के कारण माई की बगिया से गणेश धूना, होलीडे होम एवं जैन मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग के एक हिस्से में लगभग दो से तीन फीट तक वर्षाजल भर गया है। पानी की गहराई अधिक होने तथा सड़क पूरी तरह जलमग्न हो जाने के कारण इस मार्ग से वाहनों की आवाजाही फिलहाल बंद हो गई है।

जलस्रोतों में आया नया जीवन

अमरकंटक के प्रमुख जलस्रोतों की बात करें तो पुष्कर बांध, गायत्री सरोवर, सावित्री सरोवर, माधव सरोवर, लक्ष्मी सरोवर, विवेकानंद सरोवर, आरंडी संगम सरोवर एवं बराती नाला पर निर्मित बांध पूरी तरह भर चुके हैं। इसी प्रकार नर्मदा मंदिर के समीप स्थित इंद्र स्नान तालाब, मार्कंडेय आश्रम का तालाब तथा बटे कृष्णा आश्रम का तालाब भी पानी से लबालब हो गए हैं। बारिश ने जहां इन जलस्रोतों को नया जीवन प्रदान किया है, वहीं अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता में भी चार चांद



लगा दिए हैं। चारों ओर हरियाली, पहाड़ों से उतरती जलधाराएं और भरे हुए सरोवर नगर की प्राकृतिक छटा को और अधिक मनोहारी बना रहे हैं। वर्षा के बाद अमरकंटक का प्रत्येक कोना मानो प्रकृति के जलरंगों से चित्रित दिखाई दे रहा है।

बाईपास मार्ग पर दो से तीन फीट पानी, दुर्घटना की आशंका

इधर माई की बगिया, गणेश धूना, होलीडे होम, जैन मंदिर एवं नर्मदा परिक्रमा वासियों के बाहरी मार्ग पर पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित हुआ है। लगभग दो से तीन फीट पानी भरे होने के कारण सड़क का स्वरूप स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा है। यह

मार्ग नगर के लिए महत्वपूर्ण वैकल्पिक एवं बाईपास मार्ग के रूप में उपयोग किया जाता है। गंभीर चिंता का विषय यह है कि मार्ग पर पानी भर जाने के बावजूद अभी तक वहां कोई स्पष्ट चेतावनी संकेतक, सूचना बोर्ड अथवा अवरोधक दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में अनजान वाहन चालक अथवा पैदल राहगीर पानी की गहराई का अनुमान लगाए बिना आगे बढ़ सकते हैं, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग द्वारा तत्काल आवश्यक सावधानी बरतते हुए मार्ग के दोनों ओर संकेतक एवं बैरिकेडिंग लगाए जाने की आवश्यकता है।

करीब एक हजार मिलीमीटर बारिश का अनुमान

अमरकंटक में इस वर्ष अषाढ़ और श्रावण मास के दौरान भरपूर वर्षा हुई है। स्थानीय स्तर पर प्राप्त अनुमान के अनुसार अब तक करीब 1000 मिलीमीटर के आसपास बारिश हो चुकी है। लगातार हुई इस वर्षा से जहां नगर के प्राकृतिक जलस्रोतों को पर्याप्त जल मिला है, वहीं आसपास के जंगल, पहाड़ और नदी-नालों में भी जलधारा का प्रवाह बढ़ा है। श्रावण की वर्षा ने अमरकंटक की धरती को जैसे तृप्त कर दिया है। मां नर्मदा की उद्गमस्थली यह पावन धरा इन दिनों हरितिमा और जलराशि के अद्भुत संगम से सजी नजर आ रही है। लबालब भरे सरोवर, कम-कल करती जलधाराएं और धुंध से ढकी पर्वत चोटियां अमरकंटक की प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक आभा को और गहरा कर रही हैं। हालांकि जलभराव वाले मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना अब प्रशासन के लिए आवश्यक और प्राथमिकता का विषय बन गया है।

छात्रसंघ चुनाव से पहले आदिवासी छात्र संगठन ने किसी कमर

पुष्पराजगढ़ कॉलेज में उतारी पूरी टीम

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय में आगामी छात्रसंघ चुनाव को लेकर आदिवासी छात्र संगठन ने अपनी नई कार्यकारिणी घोषित कर चुनानी तैयारियों का संकेत दे दिया है। संगठन ने कॉलेज प्रमोरी रामभजन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष खेमराज सिंह और अध्यक्ष आनंद उर्वेती को जिम्मेदारी सौंपी है। उपअध्यक्ष नृपजी मरावी एवं सभासद सिंह, महासचिव गुलशन पट्टा एवं सरस्वती देवी, सचिव डॉली देवी एवं ममता नेमन, सह सचिव संस्था मरावी, कोषाध्यक्ष रामेश्वरी सिंह, सह कोषाध्यक्ष सुमति देवी, मीडिया प्रमोरी भूपेंद्र पट्टा, प्रवक्ता शंखर यादव, संस्कृति प्रमोरी रानी मरावी एवं नीलम देवी, सह-संस्कृति प्रमोरी धनेश्वरी देवी, पर्यावरण प्रमोरी चंदनी मरावी, सह-प्रमोरी करीना नायक और खेल प्रमोरी पुष्पेन्द्र सिंह मार्को बनार्य गेह है। नई कार्यकारिणी का गठन आगामी छात्रसंघ चुनाव के मद्देनजर संगठन की तैयारियों को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। संगठन लंबे समय से छात्रवृत्ति, आवास भत्ता, नियमित कक्षाओं, बस सुविधा, नवीन मकान तथा छात्रावास में पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर आवाज उठाता रहा है।आदिवासी छात्र संगठन का कहना है कि कोरोना काल के दौरान छात्रवृत्ति और आवास भत्ते से जुड़े मुद्दों से लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन तक संगठन ने छात्रों की समस्याओं को लेकर संघर्ष किया। नियमित कक्षाओं के संचालन और महाविद्यालय की सुविधाओं को लेकर भी संगठन ने आंदोलन किए हैं। यही सक्रियता आगामी चुनाव में संगठन की प्रमुख ताकत बन सकती है कार्यकारिणी में अलग-अलग जिम्मेदारियों के लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति से संगठन ने कॉलेज स्तर पर अपनी टीम को व्यापक स्वरूप दिया है। मीडिया, प्रवक्ता, संस्कृति, पर्यावरण और खेल जैसे क्षेत्रों में भी जिम्मेदारी तय की गई है। इससे संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित करने और छात्र-छात्राओं के बीच अपनी उपस्थिति मजबूत करने की रणनीति दिखाई देती है। आगामी चुनाव में छात्रवृत्ति, आवास भत्ता, बस सुविधा, नियमित कक्षाएं, छात्रावास की मूलभूत सुविधाएं और महाविद्यालय के विकास जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हो सकते हैं। आदिवासी छात्र संगठन के पास इन मुद्दों को लेकर पूर्व में किए गए आंदोलनों का अनुभव है। अब चुनौती यह होगी कि इन मुद्दों को संगठन छात्रों के बीच किस तरह प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है।नई टीम ने संगठनत्मक रूप से चुनौती तैयारी का आधार तैयार कर दिया है, लेकिन चुनाव में केवल पदाधिकारियों की संख्या नहीं बल्कि छात्रों का विश्वास निर्णायक होगा। संगठन को अपने पुराने संघर्षों को छात्रों के वर्तमान मुद्दों से जोड़ना होगा।

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। ग्राम पटना कला स्थित आदिनाथ कोल वेनिकीकेशन इन्स्टीट्यूट लिमिटेड की कोल वाशरी की क्षमता वृद्धि के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया के तहत 19 अगस्त को वाशरी परिसर में लोक सुनवाई आयोजित की गई। लोक सुनवाई में पटना कला, धीरेल, देवहारा सहित आसपास के अनेक ग्रामों के ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, मांगों और अपेक्षाओं को अधिकारियों तथा कंपनी प्रबंधन के समक्ष रखा। लोक सुनवाई अपर कलेक्टर बलवीर रमण एवं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारियों डॉ. अशोक तिवारी की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। ग्रामीणों ने कहा कि किसी भी प्रकार की अनाति उत्पन्न पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किए जाने से पूर्व क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण किया जाए तथा स्थानीय लोगों की अपेक्षाओं को प्रथमिकता दी जाए। लोक सुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने स्कूलों में पेयजल व्यवस्था, ग्राम के मंदिर में स्टील शेड निर्माण में सहयोग, सड़कों को काफ-सफाई सहित अन्य स्थानीय आवश्यकताओं को लेकर कंपनी प्रबंधन के समक्ष मांगें रखीं। ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होने के साथ स्थानीय लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ भी मिलना चाहिए। कंपनी प्रबंधन ने ग्रामीणों को आश्वासन करते हुए कहा कि उनकी ओर से रखी गई मांगों पर आवश्यकतानुसार सहयोग किया जाएगा। प्रबंधन ने विशेष रूप से संबंधित ग्रामों के बेरोजगार युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं पात्रता के आधार पर बिकेट मंथन में रोजगार के अवसर उपलब्ध करने की बात कही।



लोक सुनवाई के दौरान कंपनी प्रबंधन ने कहा कि कोल वाशरी की क्षमता वृद्धि के बाद भी प्रदूषण नियंत्रण के विचारित मानकों का पालन किया जाएगा। प्रबंधन के अनुसार संयंत्र में श्रव्य द्वय अपशिष्ट निकासी व्यवस्था रखी गई है तथा गंदे पानी के समुचित प्रबंधन के लिए सेंटिलिंग टैंक का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य संयंत्र संचालन से आसपास के ग्रामों एवं ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देना है। प्रबंधन ने बताया कि संयंत्र परिसर के चारों ओर बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया है। धूल के फैलाव को नियंत्रित करने के लिए विंड बैकिंग वॉल की ऊंचाई भी बढ़ाई गई है और आवश्यकता के अनुसार इसे और ऊंचा किया जा

रहा है। प्रबंधन का दावा है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करते हुए संयंत्र का संचालन किया जा रहा है। कंपनी प्रबंधन के अनुसार संयंत्र में कार्यरत श्रमिकों को शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार मुकतान उनके बैंक खातों में किया जाता है। श्रमिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाने की बात प्रबंधन ने कही। कोल वाशरी की क्षमता वृद्धि को क्षेत्रीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसरों से जोड़कर देखा जा रहा है। क्षमता बढ़ने के बाद संयंत्र में कामकाज का विस्तार होने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। इससे आसपास के गांवों के बेरोजगार युवाओं सहित कुशल और अकुशल श्रमिकों को काम मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कंपनी प्रबंधन स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देते हुए रोजगार उपलब्ध कराता है और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान में सहयोग करता है तो औद्योगिक गतिविधियों का लाभ सीधे स्थानीय आबादी तक पहुंच सकता है। वहीं कंपनी प्रबंधन ने भी ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते का मरोझा दिखाया है। लोक सुनवाई के दौरान पर्यावरणीय सुरक्षा, रोजगार, ग्रामीण सुविधाओं और कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से सामने आए। अब क्षमता वृद्धि की प्रक्रिया में संबंधित विभागों द्वारा ग्रामीणों की आपत्तियों एवं चुनौतियों तथा पर्यावरणीय मानकों का परीक्षण किए जाने के बाद आगे की कार्यवाई की जाएगी।